21Ko 1

सूरीनाम हिन्दी परिषद्

१० जुलाई २०२१
कोविद परीक्षा

"जय प्रकाश हिन्दी संस्थान"
प्रश्न पत्र 1

सूचना: *सभी प्रश्नों के उत्तर पाठ्यपुस्तक के आधार पर लिखे*!

समय: 3 घंटे

$Cijfer: \frac{Score+10}{10}$

परीक्षा क्रमांक:_____

क. किन्हीं चार (4) पद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। **[28]**

1. ऐसा कोई न मिला, हमको दे उपदेश।
   भवसागर में बूड़ता, कर गहि काढै केस॥

2. कदली सीप भुजंग – मुख, स्वांति एक गुण तीन।
   जैसे संगती बैठियो, तैसोई फल दीन॥

3. जिन दिन देखे वे कुसुम, गई सो बीति बहार।
   अब अली रही गुलाब में, अपत कटीली डार॥

4. प्रीति करि काहू सुख न लह्यौ।
   प्रीति पतंग करी दीपक सौं, आपै प्रान दह्यौ॥
   अलिसुत प्रीति करी जलसुत सौं, सम्पति हाथ गह्यौ।
   सारंग प्रीति करी जो नाद सौं, सन्मुख बाण सह्यौ॥
   हम जी प्रीति करी माधव सौ, चालत न कछु कह्यौ।
   "सूरदास" प्रभु बिन दुख दूनो, नैननि नीर बहयौ॥

5. हाड़ बड़ा हरि भजन कर, द्रव्य बड़ा कछु देय।
   अकाल बड़ी उपकार कर, जीवनका फल येह॥

ख. किन्हीं छह [6] प्रश्नों के उत्तर लिखिए। **[36]**

1. रहीम के दोहों की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।
2. "क्या पूजन क्या अर्चन रे'' कविता द्वारा महादेवी क्या स्पष्ट करना चाहती हैं?
3. यशोधरा को किस बात का दुख था और उसने अपने विरह को कैसे बयान किया?
4. "दीपक में पतंग जलता क्यों?" कविता से क्या शिक्षा मिलती है?
5. जयशंकर प्रसाद की रचनाओं की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।
6. तुलसीदास के काव्य "सीता का सनदेश" में उस सन्देश को स्पष्ट कीजिए।
7. सूर, तुलसी और मीरा की भक्ति-भावना में साम्य और वैषम्य का विवेचन कीजिए।

ग. निम्नलिखित में से किसी एक कवि के जीवन तथा काव्य रचनाओं पर टिप्पणी लिखिए। **[12]**

1. महादेवी वर्मा
2. हरिवंशराय बच्चन

घ. निम्नलिखित में से किन्हीं दो (2) का सम्पूर्ण विश्लेषण कीजिए। **[14]**

1. "चित्रकूट" के आछार पर कैकयी का चरित्र।
2. "चित्रकूट" के तृतीय सर्ग की कथावस्तु।
3. "चित्रकूट" – एक धर्म - धरा।

~ समाप्त ~